No. of Printed Pages : 6

MBG–002

M. A. (BHAGWADGITA STUDIES)

(MABGS)

Term-End Examination

December, 2025

MBG–002 : DHARMA–KARMA AND YAJNA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

***Note** : (i) This question paper is in two Sections. Both Sections are compulsory.*

(ii) Attempt questions from both Sections as per instructions given.

Section—A

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* 4×15=60

1. Describe the relationship between 'Equanimity' and 'Knowledge'.

2. Describe desire and sense of being a Doer.

3. Describe Karmayoga.

4. Explain the difference between Jñānī and Ajñānī.

5. Explain action as a natural state of being.

6. Describe the straightforward path of 'Karma'.

7. Write about the steps of the Gītā.

Section—B

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* 4×10=40

1. Write a note on Aṃhakāra.

2. Explain the nature of Bhagavān.

3. Describe the idea of Avatāra on the basis of the Gītā.

4. Write a note on Saguṇa-Nirguṇa.

5. Write a note on the Psychology of delusion.

6. Clarify the concepts of Karma and Akarma.

7. Explain the following :

ब्रह्मार्पणं ब्रह्म हविर्ब्रह्माग्नौ ब्रह्मणा हुतम्।

ब्रह्मैव तेन गन्तव्यं ब्रह्मकर्मसमाधिना॥

MBG–002

एम. ए. (भगवद्गीता अध्ययन)

(एम. ए. बी. जी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.बी.जी.-002 : धर्म-कर्म एवं यज्ञ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) दानों खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. 'समता' और 'ज्ञान' के मध्य सम्बन्ध का वर्णन कीजिए।

2. इच्छा और कर्ताभाव का वर्णन कीजिए।

3. कर्मयोग का वर्णन कीजिए।

4. ज्ञानी और अज्ञानी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

5. कर्म की स्वाभाविक स्थिति का विवेचन कीजिए।

6. कर्म के सरल मार्ग का वर्णन कीजिए।

7. गीता के सोपानों का निरूपण कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. अहंकार पर टिप्पणी लिखिए।

2. भगवान् के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

3. गीता के आधार पर अवतार का निरूपण कीजिए।

4. सगुण-निर्गुण पर टिप्पणी लिखिए।

5. मोह के मनोविज्ञान पर टिप्पणी लिखिए।

6. कर्म और अकर्म को स्पष्ट कीजिए।

7. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

ब्रह्मार्पणं ब्रह्म हविर्ब्रह्माग्नौ ब्रह्मणा हुतम्।

ब्रह्मैव तेन गन्तव्यं ब्रह्मकर्मसमाधिना॥

× × × × ×